Hindi Milap

Dt- 01/12/16.

मेट्रो रेल कार्य यथाशीघ्र पूरा करें : केसीआर

हैदराबाद, 30 नवंबर-(विशेष संवाददाता)
तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मेट्रो के चेयरमैन से आग्रह किया कि हैदराबाद में मेट्रो रेल निर्माण संबंधित कार्यों को यथाशीघ्र पूरा किया जाए। कैम्प कार्यालय प्रगति भवन में आज केसीआर ने मेट्रो कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस समीक्षा कार्यक्रम में एल एन्ड टी मेट्रो के चेयरमैन एस.एन.सुब्रमण्यम, मेट्रो के प्रबंध निदेशक शिवानंद, हैदराबाद मेट्रो परियोजना के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी, सीएमओ के प्रधान सचिव नर्सिंग राव आदि ने भाग लिया। अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो परियोजना में निर्माण कार्य के लिए राज्य सरकार आवश्यक सहयोग देगी। हैदराबाद में यातायात समस्या से निपटने के लिए मेट्रो कार्यों को पूरा करने तेजी से काम किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि आगामी नवंबर 2017 तक मियांपुर-एलबी नगर लाइन कार्यों को पूरा किया जाए और बाकी कार्यों को अगस्त 2018 तक पूरा कर दिया जाए।

मेट्रो का 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण

हैदराबाद, 30 नवंबर-(एफ एम सलीम)
हैदराबाद मेट्रो रेल का कार्य तेज़ी से जारी है। एल एण्ड टी ने आज दावा किया कि सीएमआरएस निरीक्षण जैसी बड़ी उपलब्धि के साथ-साथ परियोजना निर्माण का 75 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है।

एल एण्ड टी मेट्रो रेल के उप-महाप्रबंधक, अध्यक्ष तथा गैर-कार्यकारी चेयरमैन एस.एन. सुब्रमण्यन ने बताया कि मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) का निरीक्षण कोफी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही मेट्रो ने 75 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। उन्होंने बताया कि परियोजना का निर्माण कार्य तेज़ी से जारी है। अब तक 61.20 किलोमीटर के फाउंडेशन, 58.10 किलोमीटर के पिलर, 49 किलोमीटर के स्पैन तथा 36.25 किलोमीटर के ट्रैक का कार्य पूरा कर लिया गया है। सुब्रमण्यन ने आगे बताया कि 17 स्टेशनों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। यह स्टेशन स्टेज 1 एवं स्टेज 2 का हिस्सा हैं। अंबरपेट, एमजीबीएस एवं परेड मैदान जैसे महत्वपूर्ण इंटरचेंज तथा 30 स्टेशनों का कार्य तेज़ी से जारी है। उन्होंने कहा कि एल एण्ड टी परियोजना को यथाशीघ्र पूर्ण करने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने परियोजना को तेलंगाना सरकार की ओर से निरंतर समर्थन एवं सहयोग मिलने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का आभार जताया। साथ ही कहा कि जैसे-जैसे निर्माण कार्य पूरा हो रहा है, सड़कों पर यातायात के लिए रास्ते बहाल किये जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ स्थानों पर परियोजना कार्य शीघ्र शुरू करने के लिए सरकार से बातचीत की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि तीन कॉरिडोर पर 72 किलोमीटर की परियोजना में 66 स्टेशन प्रस्तावित हैं। जब यह परियोजना शुरू हुई, तो इसकी लागत 14,132 करोड़ रुपये थी।